ShaneNabi.In

Best Sunni Islamic Website And Youtube Channel



मुस्तफ़ा ! आप के जैसा कोई आया ही नहीं ! (हिन्दी नात लीरिक्स)

लिखा है: शमीम रज़ा फ़ैजी

Follow us on social:

- https://youtube.com/@shanenabi
- f https://www.facebook.com/shanenabi.in
- https://www.instagram.com/shanenabi.in
- https://twitter.com/ShaneNabi_In

For more lyrics and islamic content please visit https://shanenabi.in This lyrics downloaded/printed from https://shanenabi.in website. For help/request contact us on support@shanenabi.in

ShaneNabi.In

मुस्तफ़ा ! आप के जैसा कोई आया ही नहीं !

लिखा है: शमीम रज़ा फ़ैजी



मुस्तफ़ा! आप के जैसा कोई आया ही नहीं! आता भी कैसे! जब अल्लाह ने बनाया ही नहीं!

कोई सानी ना है रब का, ना मेरे आक्रा का एक का जिस्म नहीं, एक का साया ही नहीं

मुस्तफ़ा! आप के जैसा कोई आया ही नहीं!

कोई सानी ना है रब का, ना मेरे आक्रा का एक का जिस्म नहीं, एक का साया ही नहीं

मुस्तफ़ा! आप के जैसा कोई आया ही नहीं!

क़ब्र में जब कहा सरकार ने, ये मेरा है फिर फ़रिश्तों ने मुझे हाथ लगाया ही नहीं

ज़ुल्फ़ वल्लैल है, रुख़ वहुहा, मा-ज़ाग़ आँखें इस तरह रब ने किसी को भी सजाया ही नहीं

मुस्तफ़ा! आप के जैसा कोई आया ही नहीं!

For more lyrics and islamic content please visit https://shanenabi.in This lyrics downloaded/printed from https://shanenabi.in website. For help/request contact us on support@shanenabi.in

Shane Nabi. In

मुस्तफ़ा ! आप के जैसा कोई आया ही नहीं !

लिखा है: शमीम रज़ा फ़ैजी



लौट कर आगया मक्के से, मदीना ना गया कैसे जाता ! तुझे आक्रा ने बुलाया ही नहीं

मुस्तफ़ा! आप के जैसा कोई आया ही नहीं!

लौट कर आगया मक्के से, मदीना ना गया कैसे जाता ! तुझे आक्रा ने बुलाया ही नहीं

मुस्तफ़ा! आप के जैसा कोई आया ही नहीं!

जब से दरवाज़े पे लिखा हूँ मैं आला हज़रत कोई गुस्ताख़-ए-नबी घर मेरे आया ही नहीं

मुस्तफ़ा! आप के जैसा कोई आया ही नहीं!

आप ने जब से नवाज़ा है, या रसूलल्लाह! मैंने दामन किसी चौखट पे बिछाया ही नहीं

मुस्तफ़ा! आप के जैसा कोई आया ही नहीं!

जिस ने सरकार के चेहरे की ज़ियारत की है उस की नज़रों में कोई और समाया ही नहीं

For more lyrics and islamic content please visit https://shanenabi.in This lyrics downloaded/printed from https://shanenabi.in website. For help/request contact us on support@shanenabi.in

ShaneNabi.In

मुस्तफ़ा ! आप के जैसा कोई आया ही नहीं !

लिखा है: शमीम रज़ा फ़ैजी

© ShaneNabi.In



मुस्तफ़ा! आप के जैसा कोई आया ही नहीं!

जब तलक पुश्त पे शब्बीर रहे, ऐ फ़ैज़ी! सर को सज्दे से पयम्बर ने उठाया ही नहीं

मुस्तफ़ा! आप के जैसा कोई आया ही नहीं! आता भी कैसे! जब अल्लाह ने बनाया ही नहीं!

For more lyrics and islamic content please visit https://shanenabi.in This lyrics downloaded/printed from https://shanenabi.in website. For help/request contact us on support@shanenabi.in